हादसा

पिपरतला बुढ़ार से दुधमनिया जा रही रहा था पिकअप वाहन, घायलों के लिए देवदूत बनी यातायात पुलिस

पिकअप पलटी, 15 से अधिक घायल, मची अफरा-तफरी

अनूपपुर, नवभारत 31 मई। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) के निरीक्षण पर निकली यातायात पुलिस टीम ने मानवता और तत्परता का परिचय देते हुए सड़क हादसे में घायल लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देश पर यातायात पुलिस की टीम करणपठार क्षेत्र में निरीक्षण कर रही थी। इसी दौरान लीलाटोला के पास पिपरतला बुढ़ार से दुधमनिया जा रही एक पिकअप वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में वाहन में सवार 15 से अधिक लोग घायल हो गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

सभी घायलों को मिला शीघ्र उपचार

अन्य घायलों को भी आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। समय पर पहुंची यातायात पुलिस की मदद से सभी घायलों को शीघ्र उपचार मिल सका। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान पुलिस ने दुर्घटना स्थल पर यातायात व्यवस्था भी सुचारू बनाए रखी। स्थानीय नागरिकों के सहयोग से घायलों को तेजी से अस्पताल पहुंचाया गया।

> **टीम ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया**
>
> घटना की सूचना मिलते ही निरीक्षण कर रही यातायात पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस जवानों ने घायलों को वाहन से सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई तथा तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। हादसे में एक व्यक्ति का हाथ कट जाने और दूसरे व्यक्ति के जबड़े में गंभीर चोट आने की जानकारी सामने आई है।

बैल चोरी के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने बैल चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी किए गए तीनों बैल बरामद कर लिए हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम करहीवाह निवासी कृषक टीकम कोल ने 30 मई को थाना कोतवाली अनूपपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीती रात उनके घर के बाहर बंधे तीन बैल, जिनकी कुल कीमत लगभग 45 हजार रुपये है, अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिए गए हैं। शिकायत पर थाना कोतवाली अनूपपुर में मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

तीन बैल किए बरामद

थाना प्रभारी अरविंद जैन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए रात्रि में ही आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने ग्राम ठेही थाना जैतहरी निवासी भारत सिंह गोंड़ पिता जयहिंद सिंह गोंड़ उम्र करीब 25 वर्ष को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किए गए तीनों बैल बरामद कर लिए। पुलिस द्वारा आरोपी से अन्य पशु चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

दो महिलाओं पर भालू का हमला, घायल

जिला अस्पताल में उपचार जारी, खेत गई महिलाओं पर अचानक किया हमला

अनूपपुर, नवभारत 31 मई। जिला मुख्यालय से लगभग 22 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत धनगवां के पटपरिहा टोला में रविवार सुबह भालू के हमले में दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों महिलाओं को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत धनगवां निवासी 35 वर्षीय गुड्डी कोल एवं 65 वर्षीय त्तिजिया कोल रविवार सुबह दिशा मैदान के लिए घर से कुछ दूर खेत की ओर गई थीं। इसी दौरान जंगल की ओर से विचरण करते हुए आए एक भालू ने अचानक दोनों महिलाओं पर हमला कर दिया। हमले में गुड्डी को कमर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि वृद्धा त्तिजिया के चेहरे, छाती एवं शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं।

ग्रामीणों के शोर मचाने पर भालू जंगल की ओर भागा

घटना के बाद ग्रामीणों के शोर मचाने और इकट्ठा होने पर भालू वापस जंगल की ओर भाग गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्राम पंचायत धनगवां के सरपंच संजय गोठिया मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को तत्काल फुनगा अस्पताल पहुंचाया।

> **वन्यजीव संरक्षक शशिधर ने ली घायलों की जानकारी**
>
> घटना की जानकारी मिलने पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल ने फुनगा के सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र प्रताप सिंह एवं उमेश अग्रवाल से संपर्क कर घायलों की स्थिति की जानकारी लेने का आग्रह किया। इसके बाद दोनों समाजसेवी फुनगा अस्पताल पहुंचे तथा घायलों और उनके परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

गोविंदा कॉलोनी में गंदगी का अंबार, मलेरिया का खतरा

कॉलरी प्रबंधन की चुप्पी और ठेकेदार की लापरवाही से आम जनता त्रस्त

कोतमा नवभारत 31 मई। कालरी प्रबंधन अंतर्गत गोविंदा एवं भालूमाड़ा कॉलोनी में इन दिनों साफ-सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। गंदगी और जलभराव के कारण क्षेत्र में लगातार मलेरिया जैसी गंभीर बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि लंबे समय से कॉलोनी वासी इस नारकीय जीवन को जीने को मजबूर हैं। ताजा मामला गोविंदा कॉलोनी वार्ड 12 का है, जहां नालियों से निकाला गया कचरा कई दिनों तक सड़कों और गलियों के किनारे ही पड़ा रहता है। जमीनी स्तर पर काम नहीं होने के कारण मच्छरों का प्रकोप अत्यधिक बढ़ गया है, जिससे स्थानीय लोग तेजी से मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।

गंदगी से बजबजा रहीं नालियां

इस जमीनी हकीकत के विपरीत, जब संबंधित सफाई ठेकेदार से इस लापरवाही को लेकर बात की गई, तो उनका रटा-रटाया जवाब था कि 'हमारे द्वारा नियमित सफाई की जाती है, लेकिन मौके पर पसरी गंदगी, बजबजाती नालियां और रास्तों को घेरे खड़ी झाड़ियां ठेकेदार के दावों की पोल खोलने के लिए काफी हैं। साफ तौर पर देखा जा सकता है कि ठेकेदार द्वारा लगातार घोर लापरवाही बरती जा रही है।

> **जनता ने लगाई कॉलरी प्रबंधन से गुहार**
>
> स्थानीय नागरिकों ने अब कॉलरी प्रबंधन से सीधे हस्तक्षेप की मांग की है। लोगों का कहना है कि प्रबंधन द्वारा दिए गए लाखों रुपए के ठेके का पूरी तरह से दुरुपयोग हो रहा है। जनता ने निवेदन किया है कि ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उसे कड़े निर्देश दिए जाएं। कॉलोनियों में कागजों पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर साफ-सफाई सुनिश्चित कराई जाए।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम में संशोधन की मांग

कोतमा, नवभारत। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ संभाग शहडोल द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 एवं शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से जुड़े विषयों पर शिक्षक हितों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा गया। संघ की ओर से यह ज्ञापन अखिल भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र पाण्डेय, राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री राजेन्द्र श्रीवास्तव तथा भारतीय मजदूर संघ भोपाल के महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर को प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन में मांग की गई कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के सेवा हितों एवं अर्जित अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक विधायी संशोधन किए जाएं। साथ ही इस संबंध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के माध्यम से संसद में आवश्यक विधेयक प्रस्तुत कराने की मांग भी उठाई गई।

रेलवे कर्मचारियों की सैलरी में होगी बढ़ोतरी

मिनिमम सैलरी 72 हजार करने की मांग, फिटमेंट फैक्टर 4.0 लागू करने पर जोर

अनूपपुर नवभारत 31 मई। केंद्र सरकार द्वारा गठित किए जाने वाले आठवें वेतन आयोग को लेकर रेलवे कर्मचारियों में बड़ी उम्मीदें जगी हैं। रेलवे के सबसे बड़े कर्मचारी संगठन एनएफआईआर ने रेलवे कर्मचारियों के हित में कई महत्वपूर्ण मांगें सरकार एवं वेतन आयोग के समक्ष रखी हैं। संगठन ने न्यूनतम वेतन 72 हजार रुपये प्रतिमाह तथा फिटमेंट फैक्टर 4.0 लागू करने की प्रमुख मांग की है।

एनएफआईआर के महासचिव डॉ. एम. रघुवैया ने कहा कि रेलवे कर्मचारी दिन-रात कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हुए देश की सेवा करते हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष सैकड़ों रेलवे कर्मचारियों की ड्यूटी के दौरान जान चली जाती है, इसके बावजूद कर्मचारी पूरी ईमानदारी एवं समर्पण के साथ रेलवे संचालन में जुटे रहते हैं। ऐसे कर्मचारियों को बेहतर वेतन एवं सुविधाएं मिलना उनका अधिकार है।

वेतन आयोग के समक्ष रखीं कई मांगें

उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा वेतन आयोग के समक्ष प्रस्तुत मेमोरेंडम में न्यूनतम वेतन 72 हजार रुपये करने, फिटमेंट फैक्टर 4.0 लागू करने, कर्मचारियों को अधिक से अधिक प्रमोशन के अवसर देने, घर के पास ट्रांसफर, बेहतर मेडिकल सुविधा, जोखिम भत्ता बढ़ाने आदि मांगें रखी गई हैं। रेलवे मजदूर कांग्रेस के जोनल महामंत्री पीताम्बर लक्ष्मीनारायण ने कहा कि रेलवे कर्मचारी देश की रीढ़ हैं और उनके हितों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है।

इनका कहना है

रेलवे कर्मचारी दिन-रात मेहनत करके देश की सेवा करते हैं। उनकी ईमानदारी, समर्पण और कठिन परिश्रम को देखते हुए हमने न्यूनतम वेतन 72 हजार रुपये की मांग रखी है।

डॉ. एम रघुवैया
महासचिव,
नएफआईआर

एक नजर में

सेवानिवृत्ति पर शंकर राव बरगट को दी बिदाई

अनूपपुर, नवभारत। एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र में 30 मई शनिवार को आयोजित एक गरिमामय एवं भावनात्मक समारोह में शंकर राव बरगट को उनकी दीर्घकालीन, समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवाओं के उपरांत सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। समारोह में अधिकारियों, कर्मचारियों, परिवारजनों, ईष्ट मित्रों एवं शुभचिंतकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने श्री बरगट के सेवाकाल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने सदैव संस्थान के हितों को सर्वोपरि रखते हुए पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। सेवानिवृत्ति अवसर पर क्षेत्र के हॉकी खिलाड़ियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके योगदान को याद किया। समारोह के दौरान श्री बरगट को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

श्रमदान कर अनुसुइया तालाब से हटाई जलकुंभी

बिजुरी, नवभारत। नगर पालिका परिषद बिजुरी द्वारा मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रविवार को वार्ड क्रमांक 13 स्थित अनुसुइया तालाब में स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण, पुनर्जीवन एवं उन्हें प्रदूषण मुक्त बनाना है। कार्यक्रम के दौरान तालाब परिसर और जल क्षेत्र में व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया। श्रमदान के माध्यम से तालाब में फैली जलकुंभी, प्लास्टिक कचरा तथा अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाया गया, जिससे जल स्रोत को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने में मदद मिलेगी। अभियान में स्थानीय नागरिकों की सहभागिता विशेष रूप से देखने को मिली। नगर पालिका के अधिकारियों, सफाई मित्रों एवं वार्डवासियों ने मिलकर तालाब के संरक्षण के लिए श्रमदान किया। इस दौरान लोगों को जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने तथा पानी में कचरा न फेंकने के लिए जागरूक भी किया गया।

हसदेव क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि बने राकेश पांडे

अनूपपुर, नवभारत। शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राजनगर डोला निवासी राकेश पांडे (छोटू) को एसईसीएल हसदेव क्षेत्र का सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस संबंध में सांसद द्वारा नियुक्ति पत्र जारी कर उन्हें क्षेत्र की विभिन्न बैठकों एवं जनहित से जुड़े कार्यों में सांसद का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जानकारी के अनुसार एसईसीएल हसदेव क्षेत्र में आयोजित बैठकों में सांसद की अनुपस्थिति के दौरान राकेश पांडे सांसद प्रतिनिधि के रूप में शामिल होंगे। साथ ही क्षेत्र की समस्याओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए उनके निराकरण के लिए आवश्यक पहल करेंगे। राकेश पांडे की नियुक्ति की खबर मिलते ही भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल देखा गया।

नल-जल योजना बनी ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब!

सकोला पंचायत में टूटी पाइपलाइन, उखड़ी सड़कें और बहता पानी, सैकड़ों शिकायतों के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

जमुना कोतमा नवभारत 31 मई। केंद्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, लेकिन ग्राम पंचायत सकोला में यह योजना ग्रामीणों के लिए सुविधा के बजाय परेशानी का कारण बनती दिखाई दे रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि योजना के तहत बिछाई गई पाइपलाइन कई स्थानों पर टूट चुकी है, जिससे हजारों लीटर पानी प्रतिदिन व्यर्थ बह रहा है। वहीं पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों और नालियों की मरम्मत भी आज तक नहीं कराई गई है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर सीएम हेल्पलाइन, जनपद पंचायत और संबंधित अधिकारियों के समक्ष कई बार शिकायत दर्ज कराई, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

पाइपलाइन बिछाने के बाद नहीं हुई मरम्मत

ग्रामीणों के अनुसार नल-जल योजना के तहत गांव के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों में पाइपलाइन बिछाने के लिए सीसी सड़कों को ड्रिल मशीन से काटकर गहरी नालियां बनाई गईं। कार्य पूरा होने के बाद संबंधित एजेंसी और पंचायत द्वारा सड़कों की समुचित मरम्मत नहीं कराई गई। परिणामस्वरूप कई स्थानों पर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और राहगीरों को दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है

बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब इन गड्ढों में पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता और जवाबदेही दोनों की अनदेखी की गई है।

आज तक नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हुई

ग्रामीणों ने बताया कि कई वार्डों में पाइपलाइन तो बिछा दी गई, लेकिन आज तक नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी। कुछ घरों में केवल पाइप डालकर कनेक्शन दे दिया गया, जबकि पानी की व्यवस्था नहीं की गई। इससे योजना का उद्देश्य अधूरा रह गया है और ग्रामीणों को आज भी पेयजल के लिए अन्य स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

पंचायत की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

गांव के लोगों का कहना है कि पूरे गांव की मूलभूत सुविधाओं की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत और उसके जनप्रतिनिधियों की होती है, लेकिन नल-जल योजना की खामियां, टूटी पाइपलाइनें और अधूरे मरम्मत कार्य पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायत सकोला में नल-जल योजना के तहत हुए कार्यों की तकनीकी जांच कराई जाए। साथ ही पाइपलाइन बिछाने, सड़क मरम्मत, जलापूर्ति व्यवस्था और योजना में खर्च की गई राशि का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में जन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है।

भाजपा की नीतियां भारतीय परंपराओं के विपरीत : चटर्जी

भगवा पार्टी के महासचिव ने सरकार पर बोला हमला

अनूपपुर नवभारत 31 मई। भारतीय गण वार्ता अर्थात भगवा पार्टी के जिला महासचिव वरुण चटर्जी ने भाजपा सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए सनातन परंपराओं और गौ माता के सम्मान को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि 'भाजपा सरकार ने ऐसा नया नियम बना दिया है कि 14 साल बाद गाय माता भी चिकन बन जाएंगी। यह भाजपा की सनातन संस्कृति और गौभक्ति का अनुपम उदाहरण है। वरुण चटर्जी ने कहा कि एक ओर भाजपा मंचों से गौ रक्षा, सनातन संस्कृति और धार्मिक मूल्यों की बड़ी-बड़ी बातें करती है, वहीं दूसरी ओर उसकी नीतियां भारतीय परंपराओं और आस्था के विपरीत दिखाई दे रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग केवल चुनावी मंचों पर धर्म और संस्कृति की बात करते हैं, लेकिन जमीन पर उनके निर्णय सनातन मान्यताओं का मजाक बनाते नजर आते हैं।

गौवंश की सुरक्षा और सम्मान पर प्रश्नचिह्न

उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है और सदियों से उसकी पूजा की जाती रही है। ऐसे में यदि सरकार की नीतियों से गौवंश की सुरक्षा और सम्मान पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं तो यह करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की भावनाओं को आहत करने वाला विषय है। भगवा पार्टी नेता ने कहा कि भाजपा को स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर वह गौ माता की रक्षा चाहती है या केवल राजनीतिक लाभ के लिए गौभक्ति का दिखावा कर रही है।

उत्कृष्ट बागवानी

नूर मोहम्मद तन्हा की मेहनत रंग लाई, गुणवत्ता, स्वाद और बागवानी व्यवस्था देखकर प्रभावित हुए अधिकारी

बदरा की नर्सरी में आम की मिठास ने जीता अधिकारियों का दिल

जमुना कोतमा नवभारत 31 मई। जिले की ग्राम पंचायत बदरा स्थित जमुना-कोतमा क्षेत्र की नर्सरी इन दिनों अपनी उत्कृष्ट बागवानी और स्वादिष्ट आमों के कारण विशेष पहचान बना रही है। क्षेत्र में तैयार हो रहे उच्च गुणवत्ता वाले आमों की ख्याति अब स्थानीय सीमाओं से निकलकर बड़े अधिकारियों तक पहुंचने लगी है।

इसी क्रम में बुधवार को जीएम पीएमके बिलासपुर तथा सीएमडी कार्यालय से आए अधिकारियों के दल ने नर्सरी का भ्रमण किया और यहां तैयार किए गए आमों का स्वाद लेकर उनकी गुणवत्ता की खुलकर प्रशंसा की। नर्सरी में पहुंचते ही अधिकारियों ने आम के बगीचे, पौधों की देखरेख की व्यवस्था और विकसित की गई विभिन्न प्रजातियों का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने न केवल आमों का स्वाद लिया, बल्कि उनकी गुणवत्ता, मिठास और प्राकृतिक उत्पादन पद्धति की भी सराहना की।

मेहनत और लगन की मिसाल

नर्सरी संचालक नूर मोहम्मद तन्हा ने अधिकारियों को नर्सरी की स्थापना से लेकर वर्तमान स्थिति तक की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार लगातार मेहनत, उचित देखरेख और आधुनिक बागवानी तकनीकों के माध्यम से विभिन्न प्रजातियों के आमों और पौधों का संरक्षण एवं उत्पादन किया जा रहा है।

लोगों के लिए प्रेरणादायक

अधिकारियों ने कहा कि जिस समर्पण और लगन के साथ नर्सरी का संचालन किया जा रहा है, वह अन्य लोगों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र की पहचान वहां की गुणवत्ता और मेहनत से बनती है और बदरा की यह नर्सरी इसका उत्कृष्ट उदाहरण है।

आम की मिठास ने किया प्रभावित

नर्सरी में तैयार हुए आमों का स्वाद लेने के बाद अधिकारियों ने कहा कि यहां के आमों में प्राकृतिक मिठास, उत्कृष्ट गुणवत्ता और बेहतर उत्पादन प्रबंधन की झलक दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि स्वाद और गुणवत्ता का ऐसा संतुलन कम ही देखने को मिलता है।

आय के नए अवसर विकसित हो सकते हैं

अधिकारियों ने यह भी कहा कि यदि इसी तरह बागवानी को बढ़ावा दिया जाए तो क्षेत्र के किसानों और युवाओं के लिए रोजगार तथा आय के नए अवसर विकसित हो सकते हैं। उन्होंने नर्सरी के प्रयासों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में सकारात्मक पहल बताया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर बिलाल अहमद, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी, कृष मुखर्जी, दिलीप भारती तथा भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष उमेश कुमार मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने नर्सरी संचालक की मेहनत और बागवानी के प्रति उनके समर्पण की सराहना की।

बागवानी के क्षेत्र में बन रही नई पहचान

दौरे के दौरान अधिकारियों ने आम के पौधों की देखरेख, सिंचाई व्यवस्था और पौध संरक्षण संबंधी गतिविधियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नर्सरी में विकसित पौधों की विविधता और सुव्यवस्थित प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि यह स्थान भविष्य में बागवानी और पौध उत्पादन का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।